

GOVERNMENT OF INDIA  
MINISTRY OF COAL

**RAJYA SABHA**  
**STARRED QUESTION NO. 6**  
ANSWERED ON 03.02.2025

**MISSION COKING COAL**

\*6 # SHRI MITHLESH KUMAR:

Will the Minister of **COAL** be pleased to state:

- (a) the objectives of 'Mission Coking Coal';
- (b) the specific strategies being implemented by Government under the Mission to achieve the target of 140 metric tons domestic coking coal production by Financial Year 2029-30;
- (c) the manner in which Government plans to monitor and evaluate the progress against the production targets set for Coal India Limited (CIL) subsidiary companies, while aiming for 105 metric tons by Financial Year 2029-30; and
- (d) the details thereof?

**ANSWER**

MINISTER OF COAL AND MINES  
(SHRI G. KISHAN REDDY)

(a) to (d): A statement is laid on the Table of the House.

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (A) TO (D) IN RESPECT OF RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 6 FOR REPLY ON 03.02.2025 REGARDING 'MISSION COKING COAL' ASKED BY SHRI MITHLESH KUMAR.**

(a) : The Ministry of Coal has launched "Mission Coking Coal" with an objective to prepare a roadmap to augment domestic coking coal production and reduce import of coking coal, keeping in view the demand projection of steel sector. This mission aims to increase domestic raw coking coal production upto 140 Million Tonne (MT) by FY 2029-30.

(b): Raw Coking Coal production projected by 2030:

<b>Company</b>	<b>Projected Production (MT) by 2030</b>
Coal India Limited (CIL)	105
Others including allocated Coking Coal Blocks	35
<b>Total</b>	<b>140 MT</b>

The strategies to achieve the target of 140MT domestic coking coal production by Financial Year 2029-30, are as under:

- **Enhancement of coking coal production from CIL through existing and opening of new mines.**
- **Revenue Sharing Model:** CIL has offered eleven discontinued coking coal mines on an innovative model of revenue sharing to the private sector.
- **Auction of Coking Coal Blocks:** Ministry of Coal has auctioned 16 coking coal blocks during the last four years.

(c) & (d): Ministry of Coal has set year-wise production target to achieve the overall target of production by CIL and its subsidiary companies by FY 2030. The progress of targets are monitored by Ministry of Coal on regular basis.

\*\*\*\*\*

भारत सरकार  
कोयला मंत्रालय

राज्य सभा  
तारांकित प्रश्न संख्या : \*6

जिसका उत्तर 03 फरवरी, 2025 को दिया जाना है  
मिशन कोकिंग कोल

\*6. श्री मिथलेश कुमार:

क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 'मिशन कोकिंग कोल' के उद्देश्यों का ब्यौरा क्या है;

(ख) वित्तीय वर्ष 2029-30 तक 140 मीट्रिक टन घरेलू कोकिंग कोयला के उत्पादन का लक्ष्य प्राप्त करने के लिए उक्त मिशन के तहत सरकार द्वारा कार्यान्वित की जा रही विशिष्ट रणनीतियाँ क्या हैं;

(ग) वित्तीय वर्ष 2029-30 तक 105 मीट्रिक टन का लक्ष्य रखते हुए, सरकार की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) की सहायक कंपनियों के लिए निर्धारित उत्पादन लक्ष्यों के मुकाबले प्रगति की निगरानी और मूल्यांकन किस प्रकार करने की योजना है; और

(घ) तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर  
कोयला एवं खान मंत्री  
(श्री जी. किशन रेड्डी)

(क) से (घ) : विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

"मिशन कोकिंग कोल" के संबंध में श्री मिथलेश कुमार द्वारा दिनांक 03.02.2025 को पूछे जाने वाले राज्य सभा तारांकित प्रश्न संख्या \*6 के भाग (क) से (घ) के उत्तर में उल्लिखित विवरण:

(क) : कोयला मंत्रालय ने इस्पात क्षेत्र की मांग के अनुमान को ध्यान में रखते हुए घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन बढ़ाने और कोकिंग कोयले के आयात को कम करने के लिए एक रोडमैप तैयार करने के उद्देश्य से "मिशन कोकिंग कोल" लॉन्च किया है। इस मिशन का लक्ष्य वित्त वर्ष 2029-30 तक घरेलू कच्चे कोकिंग कोयला उत्पादन को 140 मिलियन टन (मि.ट.) तक बढ़ाना है।

(ख) : वर्ष 2030 तक कच्चे कोयले का अनुमानित उत्पादन:

कंपनी	2030 तक अनुमानित उत्पादन (मि.ट.)
कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल)	105
आवंटित कोकिंग कोयला ब्लॉक सहित अन्य	35
<b>कुल</b>	<b>140 मि.ट.</b>

वित्तीय वर्ष 2029-30 तक 140 मि.ट. घरेलू कोकिंग कोयला उत्पादन के लक्ष्य को प्राप्त करने की कार्यनीतियां निम्नानुसार हैं:

- मौजूदा खानों के माध्यम से और नई खानों को खोलकर सीआईएल से कोकिंग कोयला उत्पादन बढ़ाना।
- राजस्व शेयरिंग मॉडल: सीआईएल ने निजी क्षेत्रों को राजस्व शेयरिंग के नवोन्मेषी मॉडल पर ग्यारह डिस्कंटीन्यूड कोकिंग कोयला खानों की पेशकश की है।
- कोकिंग कोयला ब्लॉकों की नीलामी: पिछले चार वर्षों के दौरान कोयला मंत्रालय ने 16 कोकिंग कोयला ब्लॉकों की नीलामी की है।

(ग) तथा (घ) : कोयला मंत्रालय ने वित्त वर्ष 2030 तक सीआईएल और इसकी सहायक कंपनियों द्वारा उत्पादन के समग्र लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए वर्ष-वार उत्पादन लक्ष्य निर्धारित किया है। कोयला मंत्रालय द्वारा नियमित आधार पर लक्ष्यों की प्रगति की निगरानी की जाती है।

\*\*\*\*\*

**श्री मिथलेश कुमार:** सभापति महोदय, आपने मुझे बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपका आभार प्रकट करता हूँ। आज माननीय प्रधान मंत्री मोदी जी के नेतृत्व में देश के हर विभाग में विकास कार्य चल रहा है, जिसमें योजनाओं के कार्यान्वयन में नित्य नई तकनीकों को लागू किया जा रहा है। मैं माननीय मंत्री जी से पूछना चाहता हूँ कि क्या सरकार ने वित्त वर्ष 2030 तक कच्चे कुकिंग कोयले का उत्पादन 140 मीट्रिक टन तक बढ़ाने के लिए कोई उपाय किया है?

**कोयला मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री सतीश चंद्र दूबे):** महोदय, आत्मनिर्भर भारत की पहल के तहत कोयला मंत्रालय ने घरेलू कच्चा कुकिंग कोल उत्पादन में 2030 तक 140 मिलियन टन तक बढ़ाने के महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। वर्तमान की नई माइन्स से कुकिंग कोल का उत्पादन बढ़ाना, कोल इंडिया लिमिटेड की वर्तमान की माइन्स से घरेलू कच्चा कुकिंग कोल उत्पादन को 80 मिलियन टन और नई माइन्स के 25 मिलियन टन तक बढ़ाने की योजना बनाई है। कोल इंडिया लिमिटेड ने 11 बंद कुकिंग कोल खदानों को प्राइवेट सेक्टर को रेवेन्यू शेयर मॉडल पर देने का प्रस्ताव रखा है, जिसमें आठ खदानें आवंटित हो चुकी हैं। पिछले चार वर्षों में कोयला मंत्रालय ने प्राइवेट को 16 कुकिंग कोल ब्लॉक की नीलामी की है।

**श्री मिथलेश कुमार:** महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूँ कि सरकार ने देश में धुलाई क्षमता बढ़ाने के लिए क्या कोई कदम उठाया है?

**श्री सतीश चंद्र दूबे:** महोदय, कोयला मंत्रालय ने देश में कोयला धोने की क्षमता बढ़ाने और इस्पात क्षेत्र को धोया हुआ कुकिंग कोल देने के लिए कदम उठाये हैं। कोल इंडिया लिमिटेड ने पिछले सात वर्षों में नई टेक्नोलॉजी से तीन वॉशरीज बनाई हैं और आठ वॉशरीज बनाने की योजना है। कोल इंडिया लिमिटेड ने पुरानी वॉशरीज के नवीकरण की योजना बनाई है, ताकि धुलाई सर्किट को मजबूत किया जा सके। कोल इंडिया ने पुरानी चार वॉशरीज मंजस्टी करने की योजना बनाई है। मार्च, 2024 में गैर विनियमित क्षेत्र लिंकेज नीलामी के नया उपक्षेत्र WDO के माध्यम से कुकिंग कोल उत्पादन उपयोग करने वाले इस्पात वॉशरी को भी डेवलप करने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे हम समय से कोयले का उत्पादन कर सकें।

MR. CHAIRMAN: Now, Question No. 7. Dr. Ashok Kumar Mittal — questioner not present. Any supplementaries?

\* Q. No. 7. [The questioner was absent.]